

# अपनी करनी से प्रिय यु मैं शर्म सार हु

अपनी करनी से प्रिय यु मैं शर्म सार हु,  
अपना लो या टुकरा दो श्री राधे तेरा गुन्हे गार हु ,  
अपनी करनी से प्रिय जो मैं शर्म सार हु,

काजल से भी बढ कर है मेरे कर्म काले,  
फर्याद क्या सुनाऊ मैं लव पर पड़े है ताले,  
पागल मन भजन कैसे गाये इस में ही लाचार हु,  
अपना लो या टुकरा दो श्री राधे तेरा गुन्हे गार हु ,  
अपनी करनी से प्रिय जो मैं शर्म सार हु,

ना दीं ता है ना भाव भक्ति न कुछ भजन है तेरा,  
काम क्रोध मद मोह लोब ने ऐसा मुझको गेरा,  
कैसे अपनाओ गई मुझको मैं तो बेकार हु,  
अपना लो या टुकरा दो श्री राधे तेरा गुन्हे गार हु ,  
अपनी करनी से प्रिय जो मैं शर्म सार हु,

तेरे भजन बिन जीवन ऐसे जैसे नैया बिन पानी,  
करले भजन प्रिय का मिल जाए ब्रिज रजधानी,  
कैसे विसारो गी हर मेरी मैं दूसरी सरकार हु,  
अपना लो या टुकरा दो श्री राधे तेरा गुन्हे गार हु ,  
अपनी करनी से प्रिय जो मैं शर्म सार हु,

Source:

<https://www.bharattemples.com/apni-karni-se-priya-yu-main-shrm-saar-hu/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>